भारत सरकार
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
उपभोक्ता मामले विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3938
जिसका उत्तर बुधवार, 12 अगस्त, 2026 को दिया जाएगा

मुद्रास्फीति की दर

3938. श्री संजय हरिभाऊ जाधव:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को देश में मुद्रास्फीति की दर में लगातार हो रही वृद्धि की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) विगत दो वर्षों में दालों, चावल, गेहूं/गेहूं का आटा, दूध, खाद्य तेलों और अन्य आवश्यक खाद्य वस्तुओं की खुदरा कीमतों में वर्ष-वार कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है;
(ग) मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा अब तक क्या नीतिगत और प्रशासनिक कदम उठाए गए हैं;
(घ) क्या सरकार इस बात को मानती है कि बढ़ती मुद्रास्फीति का गरीबों, निम्न आय और मध्यम आय वाले परिवारों पर सर्वाधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और यदि हां, तो इस संबंध में सरकार का क्या आकलन है; और
(ङ) दालों, चावल, गेहूं/गेहूं का आटा, दूध और खाद्य तेलों जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करने और उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए सरकार की मौजूदा और प्रस्तावित योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री
(श्री बी. एल. वर्मा)

(क): उपभोक्ता मामले विभाग देश भर के 579 मूल्य निगरानी केंद्रों द्वारा प्रस्तुत 41 आवश्यक खाद्य वस्तुओं की दैनिक कीमतों की निगरानी करता है। अनाज, दालों और आलू जैसी आवश्यक खाद्य वस्तुओं की खुदरा कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में काफी हद तक स्थिर हैं। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, जून 2026 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में वर्ष-दर-वर्ष भिन्नता के आधार पर मापी गई खुदरा मुद्रास्फीति 4.38% थी।

(ख): पिछले दो वर्षों के दौरान दालों, चावल, गेहूं, आटा (गेहूं), दूध, खाद्य तेल और आलू, प्याज व टमाटर जैसी अन्य आवश्यक वस्तुओं की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमतें, वर्ष-वार और प्रतिशत में बदलाव के साथ, **अनुलग्नक** में दी गई हैं।

(ग) से (ङ): सरकार अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) द्वारा नियमित समीक्षा के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन और उपलब्धता पर कड़ी नजर रखती है। समिति नियमित आधार पर आवश्यक कृषि-बागवानी वस्तुओं की कीमतों की स्थिति और रुझानों की समीक्षा करती है तथा घरेलू उत्पादन में वृद्धि और निर्यात-आयात नीतियों को युक्तिसंगत बनाने के माध्यम से उपलब्धता बढ़ाने के उपाय सुझाती है।

सरकार ने उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए कृषि और बागवानी उत्पादों की कीमतों में अत्यधिक उतार-चढ़ाव से निपटने हेतु मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) की स्थापना की है। पीएसएफ के तहत, उपभोक्ताओं को आवश्यक खाद्य वस्तुएं उचित मूल्य पर सुनिश्चित करने के लिए दालों और प्याज का बफर स्टॉक बनाए रखा जाता है। उपलब्धता बढ़ाने के लिए बफ़र स्टॉक से दालों को नियंत्रित तरीके से जारी करने से बाज़ार की कीमतों को कम करने में मदद मिलती है। बफर स्टॉक के माध्यम से किया गया बाजार हस्तक्षेप भी मार्केट प्लेयर्स को अपनी कीमतें कम करने हेतु प्रेरित करने में सहायक होता है। इसके अलावा, सरकार के पास दालों का बफर स्टॉक होना, मार्केट प्लेयर्स द्वारा की जाने वाली हेरफेरपूर्ण जमाखोरी और बेईमान सट्टेबाजी के विरुद्ध एक निवारक के रूप में कार्य करता है। प्याज के मामले में, बफर स्टॉक कीमतों में मौसमी उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रबी और खरीफ प्याज की फसलों की कटाई के बीच की अवधि में, भंडारित रबी प्याज के कम होने के कारण कीमतों में वृद्धि देखने को मिलती है। इस कमी के मौसम के दौरान बाजार में उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को स्थिर रखने के लिए सरकार के बफर स्टॉक से प्याज को विनियमित और लक्षित तरीके से जारी किया जाता है।

उपभोक्ताओं को किफायती कीमतों पर आटा और चावल उपलब्ध कराने के लिए नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया (नेफेड), भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ मर्यादित (एनसीसीएफ) और केंद्रीय भंडार जैसी सहकारी संस्थाओं के माध्यम से आम जनता को भारत आटा और भारत चावल बेचा जाता है। इन तीन केंद्रीय सहकारी संगठनों को गेहूं और चावल आवंटित किए गए हैं, ताकि वे इन्हें पूरे देश में अपने स्टोर/मोबाइल वैन और/या ई-कॉमर्स/बड़ी चेन वाले रिटेलर्स के माध्यम से 'भारत आटा' और 'भारत चावल' के रूप में बेच सकें।

डेयरी क्षेत्र को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने के लिए, सरकार गुणवत्ता परीक्षण, प्राथमिक दूध खरीद, प्रशीतन सुविधाओं और सहकारी समितियों के माध्यम से डेयरी विकास हेतु राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) और पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (एएचआईडीएफ) लागू करती है। इन पहलों का लक्ष्य उत्पादन को बढ़ाना, उत्पादकों को बेहतर मूल्य दिलाना और उपभोक्ताओं को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराना है।

****

अनुलग्नक

"मुद्रास्फीति की दर" के संबंध में पूछे गए दिनांक 12.08.2026 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3938 के उत्तर के भाग (ख) में उल्लिखित अनुलग्नक

पिछले दो वर्षों के दौरान अनाज, दालों, खाद्य तेलों, सब्जियों और दूध की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमतें

वस्तु	इकाई	आज (29.07.2026) की खुदरा कीमत (रुपये में)	1 वर्ष पहले (29.09.2025) खुदरा कीमत (रुपये में)	2 वर्ष पहले (29-07-2024) खुदरा कीमत (रुपये में)	पिछले 1 वर्ष में प्रतिशत बदलाव (% में)	पिछले 2 वर्ष में प्रतिशत बदलाव (% में)
चना दाल	1 किग्रा	86.31	86.93	88.64	-0.71%	-2.63%
तूर दाल	1 किग्रा	123.37	119.50	167.63	3.24%	-26.40%
उड़द दाल	1 किग्रा	121.29	114.94	126.49	5.52%	-4.11%
मूंग दाल	1 किग्रा	111.77	110.73	117.48	0.94%	-4.86%
मसूर दाल	1 किग्रा	90.35	88.76	91.85	1.79%	-1.63%
चावल	1 किग्रा	44.90	42.90	43.75	4.66%	2.63%
गेहूँ	1 किग्रा	31.37	31.42	31.06	-0.16%	1.00%
आटा (गेहूँ)	1 किग्रा	37.25	36.79	35.80	1.25%	4.05%
दूध	1 लीटर	60.87	59.11	59.21	2.98%	2.80%
मूंगफली तेल (पैकबंद)	1 किग्रा	206.00	188.91	186.84	9.05%	10.25%
सरसों तेल (पैकबंद)	1 किग्रा	196.67	183.84	140.78	6.98%	39.70%
वनस्पति (पैकबंद)	1 किग्रा	165.57	156.70	124.76	5.66%	32.71%
सोया तेल (पैकबंद)	1 किग्रा	164.25	146.79	121.78	11.89%	34.87%
सूरजमुखी तेल (पैकबंद)	1 किग्रा	189.37	160.51	121.29	17.98%	56.13%
पाम तेल (पैकबंद)	1 किग्रा	148.25	130.25	99.31	13.82%	49.28%
आलू	1 किग्रा	22.72	25.81	37.78	-11.97%	-39.86%
प्याज	1 किग्रा	35.07	28.24	43.80	24.19%	-19.93%
टमाटर	1 किग्रा	39.39	46.58	64.77	-15.44%	-39.18%

*****